अध्यक्ष की कलम से

अंक मई 06

प्रिय साथियों,

नये वित्तीय वर्ष के लिये योजनाएं बनाने और उनका क्रियान्वयन करने का समय आ गया हैं ।ये योजनायें हम सभी को मिल बैठ कर बनानी हैं और उनका क्रियान्वयन भी हमें मिल बैठ कर ही करना हैं । यानि मैं यह संप्रेषित करना चाहता हूॅ कि इन योजनाओं में आपकी सीधी भागीदारी आवश्यक हैं । आपसे मेरा आशय है आप सभी ।

17 मई को हमने प्र. का. स्तर पर कुछ चुनी हुयी शाखाओं के लिपिकों/कैशियरों को आमंत्रित कर उनसे सीधा संवाद किया । यह संवाद हमारी उस योजना का हिस्सा था जिसका जिक्र में ऊपर कर चुका हूॅ । हमारा उद्देश्य यह जानना भी था कि प्रधान कार्यालय द्वारा दिये जाने वाले आदेश/दिशा निर्देश आप तक पहुॅच रहे हैं अथवा नहीं । मुझे यह जानकर वास्तव में आश्चर्य हुआ कि प्रधान कार्यालय द्वारा प्रेषित परिपत्र एवं दिशा निर्देशों सहित अन्य पत्र आप लोगों में से अनेक के संज्ञान में एक या दूसरे कारणों से नही आ पाते हैं । जबकि सीधी भागीदारी और सीधे संवाद के लिये पूर्ण सजगता परम आवश्यक हैं । हमें इस ओर ध्यान देना होगा । कुल मिलाकर हमारी यह प्रथम गोष्ठी इस लिहाज से सफल रही कि हम लोगो ने आपस में सीधा संवाद किया और कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे भी उठे जो बिना सम्पर्क के नहीं उठ सकते थे । साथ ही हमें एक दूसरे की प्राथमिकताओं का भी बोध हुआ ।

मैनें अपने संदेशों में प्राय: इस तथ्य को रेखांकित किया है कि बैकिंग वातावरण क्रमिक रूप से परिवर्तनशील हो रहा हैं और हमें भी इसके अनूरूप स्वयं में परिवर्तन लाने होगें तभी हम कदम से कदम मिलाकर चल सकते हैं । देखिये, Potential की हमारे भीतर कमी नहीं हैं । कमी होगी तो, या तो हमारे निर्देशों में होगी या फिर आपके अनुपालन में । यदि आप यह स्वीकार रहे है कि हमारे निर्देशों में कोई कमी है तो कृपया यह भी स्वीकारिये कि फालोअप में कहीं कमी हैं । मैं यह बात जोर देकर कहना चाहता हूॅ कि आपको अपने भीतर अनुपालन-संस्कृति (Compliance Culture) का विकास करना होगा । आज की तारीख में हमारी यह प्रथम प्राथमिकता होनी चाहियें ।

जिन अन्य गुणों का हमें अपने भीतर निरन्तर विकास करना होगा और उन्हें प्राथमिकता देनी होगी, वे हैं, समयवद्वता और अनुशासन । एक अनुशासित सिपाही के लिये कोई भी जंग जीतना मुश्किल नहीं होता । किसी भी संस्था को निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में सबसे बडी सहायक है उसके कार्यकर्ताओं की उसके प्रति निष्ठा और अपने कार्य के प्रति लगन । यही निष्ठा और लगन हमें प्रथम पंक्ति के बैंक में लाने मे सहायक होगी, यही मेरा विश्वास हैं ।

मेरी उपरोक्त बातों पर विचार कीजियें । 17 मई की गोष्ठी में भी मैंने उक्त बिन्दुओं को उठाया था । आने वाला समय कार्य योग्यता आधारित (Performance Based) होगा । इसलिये मेरी निगाह आपकी कार्य योग्यता पर टिकी हैं । आपके कार्यो से ही आपका मूल्यांकन होगा । अत: सजग रहे, सचेत रहे, समयवद्व रहे और अनुशासित रहें ताकि सफल रहें ।

शुभकामनाओं के साथ

-ए.के.लूम्बा